INSTRUCTIONS FOR PG 1st and 2nd YEAR STUDENTS

(Regarding Report of the Research Project)

Under NEP 2020, all the students of PG are required to take up one Research Project (RP) under the guidance of a faculty member (Teacher) in 1st and 2nd year. The topic of the RP will be chosen from any one subject in the beginning of the 1st and 3rd Semester. The Report of this RP is to be submitted and evaluated at the end of the 2nd and 4th semester.

The structure of the Report of RP shall be as follows:

- Front Cover Page
- Declaration and Certificate
- Preface
- Acknowledgements
- Table of Contents
- List of Abbreviations, Symbols, Figures, and Tables (if any)
- Introduction
- Objectives of Study
- Review of Literature
- Chapters (Various Chapters of Research Work)
- Conclusion
- References

Note:

1. Objectives of the Study may also be written as the last part of the introduction.
2. The usual Chapters of Research Work in Sciences are: Materials and Methods, Results, and Discussion.
3. Following systems of referencing should be followed: (i) APA (American Psychological Association) in Sciences, and (ii) MLA (Modern Language Association) in Languages, Humanities and others.
4. The Number of pages in the Report of RP should be 50-60 pages.

TITLE OF RESEARCH PROJECT

(Capital letter, Font Times New Roman 16)

A Research Project

Submitted in Partial Fulfilment of the Requirement for the Degree of

MASTER OF……

(Capital letter, Font Times New roman 14)

NAME OF SUBJECT

NAME OF FACULTY

(Capital letter, Font Times New roman 14)

……

(Name of Student)

……

(Name of Supervisor)

……

(Designation of Supervisor)

COLLEGE NAME:……

JANANAYAK CHANDRASHEKHAR UNIVERSITY,

BALLIA – 277301, UTTAR PRADESH, INDIA

(Capital letter, Font Times New roman 14)

Roll Number: ……

Academic Year: ……

DECLARATION OF CANDIDATE

I, **(Name of Student)**, certify that the work embodied in this project is my own bonafide work carried out by me under the supervision of **(Name of Supervisor, Designation, Department, Name of College)**, Jananayak Chandrashekhar University, Ballia. I declare that I have faithfully acknowledged, credit to and referred to the research works duly cited in this project. The matter embodied in this project has not been submitted for the award of any other degree/diploma.

Date: .....

Place: .....

.....

(Signature of Student)

Name: _____

Roll Number: _____

Enrollment Number: _____

CERTIFICATE FROM THE SUPERVISOR

This is to certify that above statement made by the student is true and correct to the best of my knowledge and belief.

_____

(Signature of Supervisor)

Name: .....

Designation: .....

Department: .....

College: .....

Jananayak Chandrashekhar University, Ballia

परास्नातक प्रथम तथा द्वितीय वर्ष के छात्रों के लिये दिशा-निर्देश

(शोध परियोजना की रिपोर्ट के संबंध में)

एनईपी 2020 के तहत, परास्नातक प्रथम तथा द्वितीय वर्ष के सभी छात्रों को एक संकाय सदस्य (शिक्षक)के मार्गदर्शन में एक शोध परियोजना (आरपी) करना आवश्यक है। शोध परियोजना का विषय प्रथम तथा तृतीय सेमेस्टर की शुरुआत के विषयों में से किसी एक में से चुना जाएगा। इस शोध परियोजना की रिपोर्ट द्वितीय तथा चतुर्थ सेमेस्टर के अंत में जमा और मूल्यांकित की जाएगी।

शोध परियोजना की रिपोर्ट की संरचना इस प्रकार होगी:

- आवरण पृष्ठ
- घोषणा और प्रमाणपत्र
- प्रस्तावना
- आभार
- विषयसूची
- संक्षिप्ताक्षरों, प्रतीकों, आकृतियों और तालिकाओं की सूची (यदि कोई हो)
- परिचय
- अध्ययन के उद्देश्य
- साहित्य की समीक्षा
- अध्याय (शोध कार्य के विभिन्न अध्याय)
- निष्कर्ष
- सन्दर्भ

टिप्पणी:

1) अध्ययन के उद्देश्यों को परिचय के अंतिम भाग के रूप में भी लिखा जा सकता है।
2) विज्ञान में अनुसंधान कार्य के सामान्य अध्याय हैं: सामग्री और विधियाँ, परिणाम और चर्चा।
3) संदर्भ की निम्नलिखित प्रणालियों का पालन किया जाना चाहिए: (i) विज्ञान में एपीए (अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन), और (ii) भाषाओं, मानविकी और अन्य में एमएलए (आधुनिक भाषा एसोसिएशन)।
4) आरपी की रिपोर्ट में पृष्ठों की संख्या 50-60 पृष्ठ होनी चाहिए।

शोध परियोजना का शीर्षक

(Kruti Dev 010, Font Size 18)

परास्नातक ..... उपाधि की आंशिक प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत शोध परियोजना

(Kruti Dev 010, Font Size 16)

.....

(छात्र का नाम)

.....

(शोध निर्देशक का नाम, पद)

विषय:.....

संकाय:.....

(Kruti Dev 010, Font Size 16)

महाविद्यालय का नाम: .....

जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया

(Kruti Dev 010, Font Size 16)

रोल नंबर:.....

वर्ष:.....

छात्र द्वारा घोषणा

मैं **(छात्र का नाम),** प्रमाणित करता हूं कि इस परियोजना में सन्निहित कार्य मेरा अपना प्रामाणिक कार्य है जो मैंने **(शोध निर्देशक, पद, विभाग तथा कालेज का नाम),** जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया के निर्देशन में किया है। मैं यह घोषणा करता हूं कि जहां भी पाठ और परियोजना के मुख्य भाग में अन्य शोधकर्ताओ के कार्यों का उल्लेख किया गया है, मैंने उन्हें ईमानदारी से स्वीकार किया है, श्रेय दिया है। इस परियोजना में सन्निहित विषय को किसी अन्य डिग्री/डिप्लोमा के लिए प्रस्तुत नहीं किया गया है।

तारीख: .....
स्थान: .....

.....
(छात्र का हस्ताक्षर)
नाम :.....
अनुक्रमांक .....
पंजीकरण संख्या : .....

शोध निर्देशक का प्रमाण पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि छात्र द्वारा दिया गया उपरोक्त कथन मेरी जानकारी और समझ के अनुसार सही है।

.....
(शोध निर्देशक के हस्ताक्षर)
नाम :.....
पद का नाम:.....
विभाग:.....
महाविद्यालय: .....
जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया

INSTRUCTIONS FOR PG 1st and 2nd YEAR STUDENTS

(Regarding Report of the Research Project)

Under NEP 2020, all the students of a PG programme are required to take up two different Research Project (RP) under the guidance of a faculty member (Teacher); one in the 1st year and the other in 2nd year. The topic of the RP will be chosen in the beginning of the 1st and 3rd Semester. The Report of RP is to be submitted and evaluated at the end of the 2nd and 4th semester.

The structure of the Report of RP shall be as follows:

- Front Cover Page
- Declaration and Certificate
- Preface
- Acknowledgements
- Table of Contents
- List of Abbreviations, Symbols, Figures, and Tables (if any)
- Introduction
- Objectives of Study
- Review of Literature
- Chapters (Various Chapters of Research Work)
- Conclusion
- References

Note:

1. Objectives of the Study may also be written as the last part of the introduction.
2. The usual Chapters of Research Work in Sciences are: Materials and Methods, Results, and Discussion.
3. Following systems of referencing should be followed: (i) APA (American Psychological Association) in Sciences, and (ii) MLA (Modern Language Association) in Languages, Humanities and others.
4. The Number of pages in the Report of RP should be 50-60 pages.

TITLE OF RESEARCH PROJECT

(Capital letter, Font Times New Roman 16)

A Research Project

Submitted in Partial Fulfilment of the Requirement for the Degree of

MASTER OF…….

(Capital letter, Font Times New roman 14)

NAME OF SUBJECT

NAME OF FACULTY

(Capital letter, Font Times New roman 14)

…… ……

(Name of Student) (Name of Supervisor)

……

(Designation of Supervisor)

COLLEGE NAME:……

JANANAYAK CHANDRASHEKHAR UNIVERSITY,

BALLIA – 277301, UTTAR PRADESH, INDIA

(Capital letter, Font Times New roman 14)

Roll Number: …… Academic Year: ……..

DECLARATION OF CANDIDATE

I, **(Name of Student),** certify that the work embodied in this project is my own bonafide work carried out by me under the supervision of **(Name of Supervisor, Designation, Department, Name of College),** Jananayak Chandrashekhar University, Ballia. I declare that I have faithfully acknowledged, credit to and referred to the research works duly cited in this project. The matter embodied in this project has not been submitted for the award of any other degree/diploma.

Date: ……. **……**

Place: …… **(**Signature of Student)

Name: _____
Roll Number: _____
Enrollment Number: _____

CERTIFICATE FROM THE SUPERVISOR

This is to certify that above statement made by the student is true and correct to the best of my knowledge and belief.

_____
(Signature of Supervisor)
Name: …….
Designation: ……
Department: ……
College: ……
Jananayak Chandrashekhar University, Ballia

परास्नातक प्रथम तथा द्वितीय वर्ष के छात्रों के लिये दिशा-निर्देश
(शोध परियोजना की रिपोर्ट के संबंध में)

एनईपी 2020 के अंतर्गत , परास्नातक प्रथम वर्ष के सभी विद्यार्थियों को विभाग के एक शिक्षक के मार्गदर्शन में एक शोध परियोजना (आरपी) करना आवश्यक है। द्वितीय वर्ष में भी सभी विद्यार्थियों को विभाग के एक शिक्षक के मार्गदर्शन में एक शोध परियोजना (आरपी) करना आवश्यक है। प्रत्येक वर्ष में शोध परियोजनओ का शीर्षक अलग -अलग रहेगा। शोध परियोजना का विषय प्रथम तथा तृतीय सेमेस्टर की शुरुआत में चुना जाएगा। शोध परियोजना की रिपोर्ट द्वितीय तथा चतुर्थ सेमेस्टर के अंत में जमा और मूल्यांकित की जाएगी।

शोध परियोजना की रिपोर्ट की संरचना इस प्रकार होगी:

- आवरण पृष्ठ
- घोषणा और प्रमाणपत्र
- प्रस्तावना
- आभार
- विषयसूची
- संक्षिप्ताक्षरों, प्रतीकों, आकृतियों और तालिकाओं की सूची (यदि कोई हो)
- परिचय
- अध्ययन के उद्देश्य
- साहित्य की समीक्षा
- अध्याय (शोध कार्य के विभिन्न अध्याय)
- निष्कर्ष
- सन्दर्भ

टिप्पणी:

1) अध्ययन के उद्देश्यों को परिचय के अंतिम भाग के रूप में भी लिखा जा सकता है।
2) विज्ञान में अनुसंधान कार्य के सामान्य अध्याय हैं: सामग्री और विधियाँ, परिणाम और चर्चा।
3) संदर्भ की निम्नलिखित प्रणालियों का पालन किया जाना चाहिए: (i) विज्ञान में एपीए (अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन), और (ii) भाषाओं, मानविकी और अन्य में एमएलए (आधुनिक भाषा एसोसिएशन)।

4) आरपी की रिपोर्ट में पृष्ठों की संख्या 50-60 पृष्ठ होनी चाहिए।

शोध परियोजना का शीर्षक

(Kruti Dev 010, Font Size 18)

परास्नातक ..... उपाधि की आंशिक प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत शोध परियोजना

(Kruti Dev 010, Font Size 16)

.....

(छात्र का नाम)

.....

(शोध निर्देशक का नाम, पद)

विषय:.....

संकाय:.....

(Kruti Dev 010, Font Size 16)

महाविद्यालय का नाम: .....

जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया

(Kruti Dev 010, Font Size 16)

रोल नंबर:..... वर्ष:.....

छात्र द्वारा घोषणा

मैं **(छात्र का नाम),** प्रमाणित करता हूं कि इस परियोजना में सन्निहित कार्य मेरा अपना प्रामाणिक कार्य है जो मैंने **(शोध निर्देशक, पद, विभाग तथा कालेज का नाम),** जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया के निर्देशन में किया है। मैं यह घोषणा करता हूं कि जहां भी पाठ और परियोजना के मुख्य भाग में अन्य शोधकर्ताओ के कार्यों का उल्लेख किया गया है, मैंने उन्हें ईमानदारी से स्वीकार किया है, श्रेय दिया है। इस परियोजना में सन्निहित विषय को किसी अन्य डिग्री/डिप्लोमा के लिए प्रस्तुत नहीं किया गया है।

तारीख: .....
स्थान: .....

. .....
(छात्र का हस्ताक्षर)
नाम :.....
अनुक्रमांक .....:.....
पंजीकरण संख्या : .....

शोध निर्देशक का प्रमाण पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि छात्र द्वारा दिया गया उपरोक्त कथन मेरी जानकारी और समझ के अनुसार सही है।

.....
(शोध निर्देशक के हस्ताक्षर)
नाम :.....
पद का नाम:.....
विभाग:.....
महाविद्यालय: .....
जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया